जमीनी स्तर पर कृषिवानिकी को बढ़ावा देनाः कर्नाटक के ग्रामीण युवाओं के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण आज से शुरू हुआ

झाँसी 14 दिसम्बर, 2021। आज कर्नाटक के मांडया और टुमकुर जिलों के 70 ग्रामीण युवाओं के लिए कृषिवानिकी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (14-16 दिसम्बर, 2021) हाइब्रिड मोड में बैंगलोर के किसान प्रशिक्षण संस्थान विश्वविद्यालय में शुरू किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थानए झाँसी, एफ.ए.ओ.-भारत कार्यालय, राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण और कृषिवानिकी पर कर्नाटक उप-मिशन का एक संयुक्त प्रयास है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वृक्षों के आवरण और लकड़ी के उत्पादन को बढ़ाकर राष्ट्रीय कृषिवानिकी नीति के कार्यान्वयन को सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों के खेत में कृषिवानिकी मॉडल विकसित करने, गुणवत्ता रोपण सामग्री, मेलिया, चन्दन, नीम, आंवला तथा जैव ईंधन प्रजातियों के पैकेज के साथ-साथ विपणन और मूल्यवर्धन पर सत्र शामिल हैं। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण से अधिक से अधिक कौशल हासिल करने और कृषिवानिकी के राजदूत बनने का आह्वान किया, क्योंकि आज कृषिवानिकी देश में वृक्षों के आवरण को बढ़ाने का सबसे व्यवहार्य विकल्पों में से एक है, जिससे देश के छोटे और सीमांत किसानों को आजीविका सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। डॉ. वाई.जी. शादाक्षरीए निदेशक (अनुसंधान), यू.ए.एस. बेंगलुरू और डॉ. एन देव कुमारए निदेशक (विस्तार) यू.ए.एस. बेंगलुरू ने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षुओं के लिए बहुत मददगार होगा और वे प्रशिक्षकों के अनुभवों से लाभान्वित होंगे। एन.आर.ए.ए.ए एफ.ए.ओ. (भारत), एस.एम.ए.एफ. कर्नाटक के प्रतिनिधियों और प्रो. डॉ. अतुल एवं डॉ. नागराजू ने भी अपने विचार साझा किये। डॉ. ए. के. हाण्डा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया तथा डॉ. हनुमंथप्पा एवं डॉ. भास्कर, यू.ए.एस. बेंगलुरू स्थानीय आयोजक हैं।